

सड़क पर कुत्तों को सोच-समझकर खाना खिलाना

सड़क के कुत्तों को खाना खिलाना दया और मानवता का प्रतीक है। हालांकि, नियमित रूप से खाना खिलाने से अनजाने में कुछ समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इससे कुत्ते पूर्ण रूप से खाना खिलाने वालो पर निर्भर हो सकते हैं और उनकी स्वाभाविक भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित होती है या यूँ कहें की कम हो सकती है। इससे उनके विभिन्न प्रकार के लोगों, विशेष रूप से जो उन्हें पसंद नहीं करते, के साथ मेलजोल करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। "यह भौंकने या पीछा करने जैसे क्षेत्रीय और लगाव से जुड़े व्यवहार पैदा कर सकता है, जो न केवल लोगों में तनाव और संघर्ष बढ़ाते हैं, बल्कि कुत्तों की सुरक्षा को भी खतरे में डालते हैं।" संशोधित/ योजनापूर्वक खाना खिलाने से सुनिश्चित कर सकते हैं कि सड़क पर कुत्तों की भलाई हो और लोगों और कुत्तों के बीच सामंजस्य बना रहे।

नियमित रूप से कुत्तों को खाना खिलाने के लाभ	नियमित रूप से कुत्तों को खाना खिलाने के नुकसान
<ul style="list-style-type: none"> • सड़क पर कुत्तों के लिए अतिरिक्त भोजन के स्रोत बनेंगे • सड़क के कुत्तों और इंसानों के बीच के संबंध सामंजस्य पूर्ण संबंध बनेंगे • नियमित रूप से कुत्तों को खाना खिलाने वाले के लिए संतोष का अनुभव होगा 	<ul style="list-style-type: none"> • निर्भरता को बढ़ावा देता है, स्वाभाविक रूप से खाना खोजने की क्षमता को कम करता है • सड़क पर रहने की कौशल और विभिन्न प्रकार के लोगों के साथ मेलजोल करने की क्षमता को कम करता है, जिससे मानव-कुत्ते में संघर्ष होता है • क्षेत्रीयता और लगाव की भावना पैदा करता है, जिससे भौंकने और पीछा करने की आदत कुत्तों में बढ़ती हैं। • कुत्तों का समूह बनने को बढ़ावा देता है, जिससे कुत्तों के झगड़े और परेशानी की शिकायतें बढ़ती हैं • सड़क के कुत्तों को पसंद ना करने वाले लोगों से दुश्मनी को आकर्षित करता है, जिससे उन्हें नुकसान, पुनर्वास या यहां तक कि हत्या का खतरा हो सकता है • एबीसी नियमों को निरस्त करने और गली के कुत्तों को हटाने/सार्वजनिक स्थानों पर उन्हें खिलाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कई अदालती मामले दायर किए हैं।

नियोजित तरिका: एक तरिका जो सड़क पर रहने वाले कुत्तों की सुरक्षा करता है

योजनाबद्ध तरीके से खाना खिलाने का उद्देश्य सड़क पर रहने वाले कुत्तों को भोजन देने के फायदे को बनाए रखना है, जैसे कि उन्हें ज़रूरतमंदों का समर्थन मिलना और मानव-कुत्ते के रिश्ते को सकारात्मक बनाना। साथ ही, यह उन खतरों को भी कम करता है, जो निर्भरता, संघर्ष और हानि से जुड़ी हो सकती हैं। यदि यह तरीके अपनाए जाएं, तो हम कुत्तों की भलाई और समुदाय के साथ उनका शांति से सह-अस्तित्व सुनिश्चित कर सकते हैं।

1. कब खिलाना चाहिए।

सड़क पर रहने वाले कुत्तों को केवल तब खिलाना चाहिए जब वे अस्वस्थ, बूढ़े, दूध पिलाने वाली माँ (मादा कुत्ता) या भूखे और अनाथ पिल्ले हों। स्वस्थ कुत्ते आमतौर पर अपने भोजन को ढूँढ़ने से या अन्य स्रोतों से प्राप्त कर लेते हैं, इसलिए उन्हें अतिरिक्त भोजन की आवश्यकता नहीं होती।

2. नियमित या पूर्ण भोजन से पूरी तरह बचें: सड़क पर रहने वाले कुत्तों को नियमित रूप से या पूरी तरह से भोजन न दें।

भोजन देना केवल कभी-कभार और सीमित मात्रा में होना चाहिए, ताकि कुत्ते निर्भर न हों। नियमित भोजन देने से उनके भोजन खोजने की प्राकृतिक क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे वे कुछ लोगों पर निर्भर हो जाते हैं और दूसरे लोगों के साथ सही तरीके से घुल-मिल नहीं पाते। इससे कुत्तों में संघर्ष जैसे व्यवहार उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे भौंकना, पीछा करना और आक्रामकता। यदि भोजन कभी-कभार और कम मात्रा में दिया जाए, तो कुत्ते आत्मनिर्भर रहते हैं और अपने वातावरण में बेहतर तरीके से समाहित हो सकते हैं। यह उन्हें अपने आसपास के परिवेश के साथ बेहतर तरीके से तालमेल बैठाने का मौका देता है और उनके संघर्षों को भी कम करता है।

3. भीड़भाड़ रोकने के लिए उपाय।

कुत्तों को खाना खिलाने के स्थानों को अलग-अलग रखें ताकि कुत्तों का झुंड एक जगह न जुटे, जिससे लड़ाई-झगड़े और समुदाय की शिकायतें हो सकती हैं। अगर कुत्ते एक ही स्थान पर इकट्ठा होने लगें, तो उन्हें तब तक खिलाना बंद कर दें जब तक कि वे पूरी तरह से तितर-बितर न हो जाएं।

4. गुप्त तरीके से भोजन देने का अभ्यास करें।

खाने के लिए ऐसे समय और स्थान चुनें जो गुप्त और शांत हों। शांत समय में और ऐसी जगहों पर भोजन कराएं जो ज्यादा दिखाई न दें, ताकि बाधाएं कम हों और उन लोगों की नजरों से बचा जा सके जो सड़क के कुत्तों को पसंद नहीं करते।



5. कोई निशान न छोड़ें।

बचे हुए भोजन, कंटेनर या कचरे को साफ करें ताकि सड़क के कुत्तों को पसंद न करने वालों की ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया न हो।

6. निर्भरता को धीरे-धीरे कम करें।

यदि कुत्ते नियमित भोजन के आदी हो गए हैं, तो धीरे-धीरे भोजन की मात्रा और आवृत्ति कम करें और उनकी स्वतंत्र रूप से भोजन खोजने की क्षमता पर नजर रखें।

7. सड़क के कुत्तों को पालतू कुत्तों तरह न रखें।

सड़क के कुत्तों से दूरी बनाए रखें ताकि वे खाना खिलाने वालों के प्रति अत्यधिक लगाव न विकसित करें, उपरोक्त सुझावों की अनदेखी से क्षेत्रीय और संघर्षपूर्ण व्यवहार हो सकता है। सड़क के कुत्तों को अपने दम पर मानव समाज के साथ तालमेल बिठाने की क्षमता विकसित करनी चाहिए।

8. संघर्ष को कम करने के लिए योजना के साथ भोजन प्रथाओं को अपनाएं।

यदि भोजन कराने से झुंड बनने या आक्रामकता बढ़ने लगे, तो अपने तरीके में बदलाव करें या भोजन कराना अस्थायी रूप से बंद कर दें। क्षेत्रीय कुत्तों को जो भौंकते हैं, पीछा करते हैं, लोगों का पीछा करते हैं या झुंड बनाते हैं, पूरी तरह से नजरअंदाज करें ताकि लगाव या प्रभुत्व वाले व्यवहार को हतोत्साहित किया जा सके।

9. समुदाय की चिंताओं को समझें और जुड़ें।

शिकायतों को गंभीरता से लें और टकराव से बचते हुए विवादों को सुलझाने के लिए मध्यस्थों के साथ मिलकर काम करें।

10. कुत्तों का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करें।

जिन कुत्तों को आप खाना खिलाते हैं, उन्हें टीका लगवाएं, खासकर रैबीज के खिलाफ, ताकि उनकी सेहत और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

11. ताजे पीने के पानी की व्यवस्था करें।

सड़क पर घूमने वाले कुत्तों को खाना ढूंढने से ज्यादा पानी मिलना मुश्किल होता है। खासकर जब आप उन्हें सूखा खाना जैसे किबल खिलाते हैं, तो ताजे पानी की व्यवस्था करना बहुत जरूरी हो जाता है। पानी के बर्तनों को साफ रखना और उन्हें नियमित रूप से भरना चाहिए। इसके अलावा, मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए नगर निगम और स्थानीय निवासी संघों (RWA) से संपर्क करना जरूरी है ताकि इस बारे में कोई चिंता न हो।



12. सड़क पर कुत्तों को खाना खिलाने और इससे जुड़े मौजूदा कानूनों पर सिर्फ निर्भर मत रहिए।

सड़क पर कुत्तों को बचाने और खाना खिलाने से जुड़े कानूनी प्रावधानों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जिम्मेदारी से और बिना किसी विवाद के खाना खिलाना समुदाय में अच्छा माहौल बनाता है और कुत्तों की सुरक्षा और स्वीकृति सुनिश्चित करता है।